सिमबेगवाईर

Simbegwire

Rukia Nantale
Benjamin Mitchley
Nandani

hindi / bokmål
nivå 5

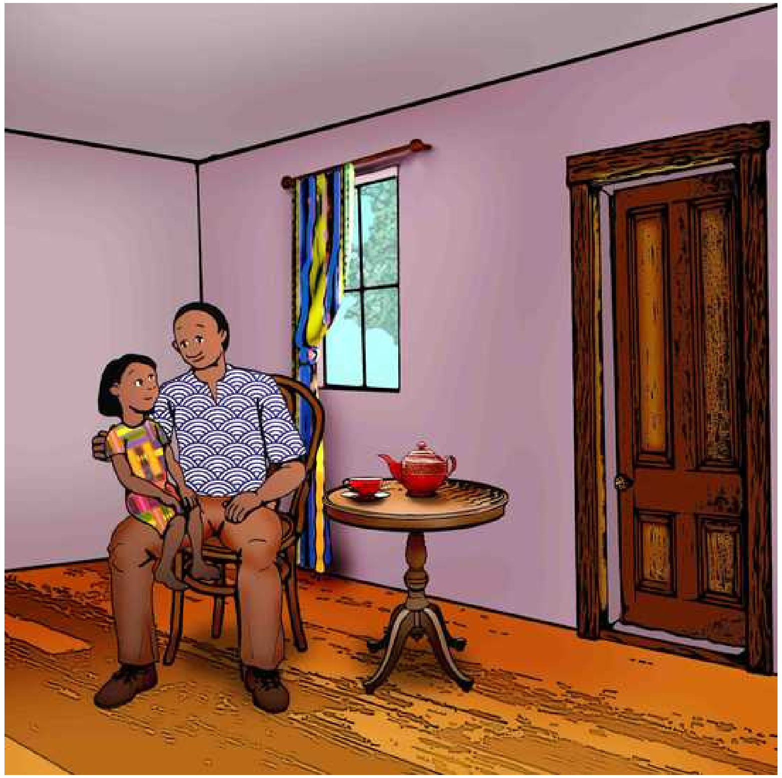

सिमबेगवाईर की माँ जब चल बसी, तब वह बहुत उदास थी।सिमबेगवाईर के पिता ने उसकी देखभाल करने की हर संभव कोशिश की। धीरे-धीरे उन्होंने सिमबेगवाईर की माँ के बिना खुश रहना फिर से सीख लिया। हर सुबह वे बैठते और उस दिन की बात करते। हर शाम साथ में मिलकर रात का खाना बनाते। बर्तन धोने के बाद, सिमबेगवाईरे के पिता उसे गृहकार्य में मदद करते।

• • •

Da Simbegwires mor døde, ble hun veldig lei seg. Simbegwires far gjorde sitt beste for å ta hånd om datteren sin. Litt etter litt ble de lykkelige igjen, uten Simbegwires mor. Hver morgen satt de og snakket om dagen som lå foran dem. Hver kveld lagde de middag sammen. Etter at de hadde tatt oppvasken, hjalp Simbegwires far henne med leksene.

एक दिन, सिमबेगवाईर के पिता रोज से देर घर आये। “कहाँ हो मेरे बच्चे?” उन्होंने बुलाया। सिमबेगवाईर अपने पिता के पास भागी। वह रुक गई जब उसने देखा कि उसके पिता ने एक महिला का हाथ पकड़ा है। “मैं चाहता हूँ कि तुम किसी विशेष से मिलो, मेरी बच्ची। यह अनिता है, वे मुस्कुराये।”

• • •

En dag kom Simbegwires far hjem senere enn vanlig. “Hvor er du, jenta mi?” ropte han. Simbegwire løp til faren sin. Hun stoppet opp da hun så at han holdt en dame i hånden. “Jeg vil at du skal møte en spesiell kvinne, jenta mi. Dette er Anita”, sa han og smilte.

“नमस्ते सिमबेगवाईर, तुम्हारे पिता ने बहुत कुछ बताया है तुम्हारे बारे में,” अनीता ने कहा। पर वो मुस्कराई नहीं और बच्ची के हाथ को पकड़ा। सिमबेगवाईर के पिता खुश और उत्साहित थे। वे तीनों के साथ रहने की बात कर रहे थे और उनका जीवन कितना अच्छा हो सकता है। “मेरी बच्ची, मैं आशा करता हु कि तुम अनीता को माँ के रूप में स्वीकार करोगी,” उन्होंने कहा।

• • •

“Hei Simbegwire, faren din har fortalt meg mye om deg”, sa Anita. Men hun smilte ikke og tok ikke hånden til jenta. Simbegwires far var glad og begeistret. Han snakket om at de tre skulle bo sammen, og hvor godt de skulle få det. “Jenta mi, jeg håper du vil akseptere Anita som moren din”, sa han.

सिमबेगवाईरे का जीवन बदल गया।अब वह ज्यादा समय तक सुबह में पिता के साथ नहीं बैठ पाती। अनीता ने बहुत सारा घर का काम उसे दे रखा था जिसके कारण वह शाम को विद्यालय के कार्य के समय थक जाती। रात के खाने के बाद थक कर वह बिस्तर पर जाती। उसे एक ही चीज़ आराम देती वह था उसकी माँ का दिया हुआ रंगीन कम्बल।सिमबेगवाईरे के पिता यह नहीं देख पा रहे थे कि उनकी बेटी खुश नहीं है।

• • •

Livet til Simbegwire forandret seg. Hun hadde ikke lenger tid til å sitte sammen med faren sin om morgenen. Anita ga henne så mye husarbeid at hun ble for sliten til å gjøre leksene om kvelden. Hun gikk rett til sengs etter middag. Den eneste trøsten hun hadde var et fargerikt teppe moren hennes hadde gitt henne. Det virket ikke som Simbegwires far merket at datteren hans var ulykkelig.

कुछ महीने बाद,सिमबेगवाईरे के पिता ने उनसे कहा कि वह कुछ दिनों के लिए घर से बाहर रहेगें।”मुझे काम से बाहर जाना है,” उन्होंने कहा।”पर मुझे पता है कि तुम दोनों एक दूसरे का ध्यान रखोगे।” सिमबेगवाईरे का चेहरा उतर गया,लेकिन उसके पिता ने ध्यान नहीं दिया। अनीता ने कुछ नहीं कहा। वह भी खुश नहीं थी।

• • •

Etter noen måneder fortalte Simbegwires far dem at han skulle være borte en stund. “Jeg må reise på grunn av jobben min”, sa han. Men jeg vet at dere kommer til ta vare på hverandre.” Simbegwire så trist ut, men faren la ikke merke til det. Anita sa ikke noe. Hun var ikke glad hun heller.

यह सिमबेगवाईरे के लिए बहुत ही बुरा हुआ। अगर वह अपना काम नहीं करती या शिकायत करती तो अनीता उसे मारती। और वह औरत रात के खाने में अधिकतर खाना खा जाती,सिमबेगवाईरे के लिए जूठन छोड़ती।सिमबेगवाईरे हर रात अकेले में रोती और माँ के कम्बल को गले से लगा लेती।

• • •

Ting ble bare verre for Simbegwire. Hvis hun ikke gjorde ferdig husarbeidet, eller klagde, slo Anita henne. Og under middagen spiste Anita det meste av maten, slik at Simbegwire bare fikk noen få rester. Hver natt gråt Simbegwire til hun falt i søvn mens hun klemte rundt teppet fra moren sin.

एक सुबह,सिमबेगवाईरे देर से उठी। “आलसी लड़की!” अनीता चिलाई। उसने सिमबेगवाईरे को बिस्तर से खिंचा।उस अमूल्य कम्बल को नाखून से नोचा, और दो भागों में फाड़ दिया।

• • •

En morgen brukte Simbegwire lang tid på å stå opp. “Din latsabb!” ropte Anita. Hun dro Simbegwire ut av sengen. Teppet hun var så glad i satt fast på en spiker og revnet.

सिमबेगवाईरे बहुत उदास हो गई। उसने घर से भागने फैसला किया। उसने अपनी माँ के कम्बल के टुकड़ों को ले लिया और कुछ खाने के समान को और फिर घर से चली गई। वह उसी रास्ते पर चलने लगी जिससे उसके पिता गए थे।

• • •

Simbegwire var veldig opprørt. Hun bestemte seg for å rømme. Hun tok bitene fra morens teppe, pakket litt mat og dro av gårde. Hun fulgte den samme veien som faren hennes hadde tatt.

जब शाम हुई वह ऊँचे पेड़ पर चढ़ गई जो झरना के पास था और अपने लिए टहनियों के बीच में बिस्तर बना लिया। जब वह सोने लगी, उसने गाना गाया: “माँ, माँ, माँ, तुमने मुझे छोड़ दिया। तुम मुझे छोड़ कर चली गई और फिर कभी वापस नहीं आई। पिता कही से भी प्यार नहीं करते।माँ, कब तुम वापस आओ गी? तुमने मुझे छोड़ दिया।”

. . .

Da kvelden kom, klatret hun opp i et høyt tre ved en bekk og redde seg en seng i grenene. Da hun gikk og la seg, sang hun: “Mamma, mamma, mamma, du forlot meg. Du forlot meg og kom aldri tilbake. Pappa er ikke glad i meg lenger. Mamma, når kommer du tilbake? Du forlot meg.”

अगली सुबह,सिमबेगवाईरे ने फिर से गाना गाया। जब औरते झरने पर कपड़े धोने आई थी, उन्होंने वह गाना सुना जो बड़े से पेड़ से आ रहा था। उन्होने सोचा यह केवल हवा है जो पत्तो से टकरा रही है और वह अपना काम करती रही। लेकिन उनमें से एक महिला ने बड़े ध्यान से गाना सुना।

• • •

Neste morgen sang Simbegwire sangen igjen. Da kvinnene kom for å vaske klærne sine i bekken, hørte de den triste sangen fra høyt oppe i treet. De trodde det bare var vinden som raslet med bladene og fortsatte med arbeidet sitt. Men én av kvinnene hørte veldig nøye på sangen.

उस महिला ने पेड़ के अंदर देखा। जब उसने लड़की और रंगीन कम्बक के टुकड़ों को देखा, वह चिलाई, सिमबेगवाईरे, “मेरे भाई की बेटी!” दूसरी महिला ने धोना रोक दिया और सिमबेगवाईरे की मदद की पेड़ से उतरने में। उसकी बुआ ने छोटी सी लड़की को गले से लगाया और कोशिश किया कि उसे अच्छा लगे।

. . .

Denne kvinnen så opp i treet. Da hun så jenta og bitene av det fargerike teppet, ropte hun: “Simbegwire, min brors datter!” De andre kvinnene stoppet å vaske og hjalp Simbegwire med å klatre ned fra treet. Tanta hennes ga den lille jenta en klem og prøvde å trøste henne.

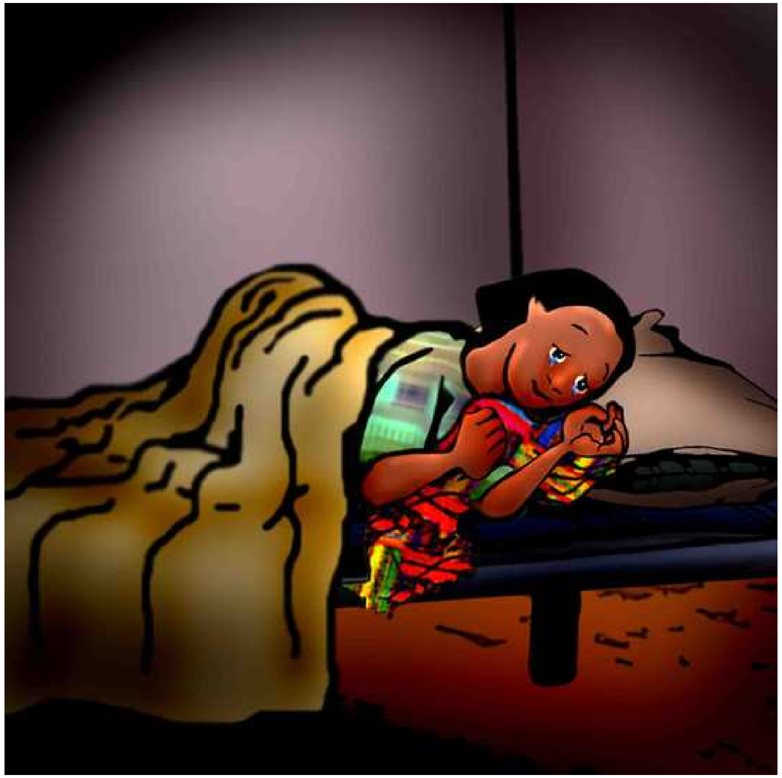

सिमबेगवाईरे की बुआ बच्ची को घर ले गई। सिमबेगवाईरे को गर्म खाना दिया और उसकी माँ के कम्बक के साथ बिस्तर में सुला दिया। उस रात,सिमबेगवाईरे रोने लगी जब सोने गई। लेकिन ये आँसू खुशी के थे। वह जानती थी कि उसकी बुआ उसका देख भाल अच्छे से करेगी।

• • •

Simbegwires tante tok med seg barnet til sitt eget hus. Hun ga Simbegwire varm mat, og la henne til å sove med teppet til moren sin. Den natten gråt Simbegwire idet hun sovnet. Men det var fordi hun var så lettet. Hun visste at tanta hennes ville ta seg av henne.

जब सिमबेगवाईरे के पिता घर आये, उन्होंने उसका कमरा खाली पाया। “क्या हुआ अनीता?” उन्होंने ने भरे मन से पूछा । उस महिला ने बताया कि सिमबेगवाईरे घर से भाग गई। “मैं चाहती थी कि वह मेरा सम्मान करे” उसने कहाँ। “शायद मैं ज्यादा सख्त हो गई” सिमबेगवाईरे के पिता घर से निकल गए और झरने के तरफ़ चल दिये। उन्होंने ने अपनी बहन के गाँव में खोजना शुरू किया कि शायद उसने सिमबेगवाईरे को देखा हो

• • •

Da Simbegwires far kom hjem, så han at rommet hennes var tomt. “Hva har skjedd, Anita?” spurte han bekymret. Kvinnen svarte at Simbegwire hadde stukket av. “Jeg ville at hun skulle respektere meg”, sa hun. “Men kanskje jeg var for streng.” Simbegwires far forlot huset og gikk i retning av bekken. Han fortsatte til landsbyen til søstera si for å finne ut om hun hadde sett Simbegwire.

सिमबेगवाईरे अपनी फुफेरी बहन के साथ खेल रही थी जब उसने दूर से पिता को देखा। वह डर गई कि कही वह गुस्सा हो, इस लिए छिपने के लिए घर में भाग गई। लेकिन उसके पिता उसके पास गए उन्होंने कहा,"सिमबेगवाईरे, तुमने अपने लिए सही माँ को खोज लिया है। वह जो तुमको समझती है और प्यार करती है। मुझे तुम पर नाज़ है और मैं तुमसे प्यार करता हूँ ।" वह तैयार हो गए कि जबतक सिमबेगवाईरे चाहे वह अपनी बुआ के साथ रह सकती है।

. . .

Simbegwire lekte med fetterne og kusinene sine da hun så faren sin på lang avstand. Hun var redd han skulle bli sint, så hun løp inn i huset og gjemte seg. Men faren hennes gikk til henne og sa: “Simbegwire, du har funnet den beste moren i verden. En som er glad i deg og forstår deg. Jeg er stolt av deg og glad i deg.” De ble enige om at Simbegwire skulle bli boende hos tanta si så lenge hun ville.

उसके पिता हर दिन उसके पास जाते। आखिरकार, वे अनीता के साथ आये उसने सिमबेगवाईरे का हाथ पकड़ा”मुझे माफ़ करना छोटी, मैं गलत थी,” वह रोई। “क्या तुम दोबारा मौका दोगी?” सिमबेगवाईरे ने अपने पिता के तरफ देखा चिंता के साथ। फिर उसने धीरे-धीरे कदम बढ़ाया और अनीता को पकड़ लिया।

. . .

Faren hennes besøkte henne hver dag. Etter hvert kom han med Anita. Hun rakte hånden til Simbegwire. “Jeg er veldig lei meg, vesla, jeg tok feil”, gråt hun. “Vil du la meg prøve igjen?” Simbegwire så på faren sin og den bekymrede minen hans. Da gikk hun bort til Anita og la langsomt armene rundt henne.

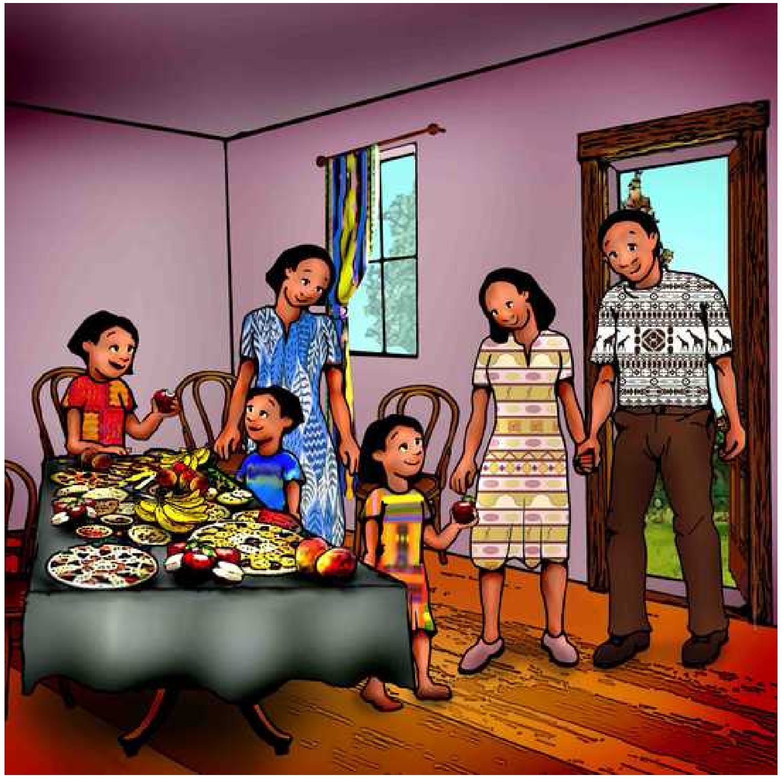

अगले सप्ताह अनीता ने सिमबेगवाईरे उसकी बुआ और फुफेरे भाई बहनों को अपने घर खाने पर बुलाया। क्या भोजन था! अनीता ने सभी खाना सिमबेगवाईरे के पसंद का बनाया था, सभी तब तक खाते रहे जब तक उनका पेट नहीं भर गया। फिर छोटे खेल रहे थे जब तक बड़े बात कर रहे थे। सिमबेगवाईरे को अच्छा लग रहा था साथ ही बहादुर महसूस कर रही थी। उसने फैसला लिया जल्द ही, बहुत जल्द, वह घर लौटेगी अपने पिता और सौतेली माँ के साथ रहने के लिए।

• • •

Neste uke ba Anita Simbegwire, sammen med fetterne, kusinene og tanta, hjem til seg på et måltid. For en fest! Anita lagde alle yndlingsrettene til Simbegwire, og alle spiste til de var gode og mette. Deretter lekte barna mens de voksne snakket. Simbegwire følte seg glad og modig. Hun bestemte seg for at snart, veldig snart, skulle hun flytte hjem og bo med faren og stemoren sin.

Barnebøker for Norge

barneboker.no

सिमबेगवाईर

Simbegwire

Skrevet av: Rukia Nantale
Illustret av: Benjamin Mitchley
Oversatt av: Nandani (hi), Espen Stranger-Johannessen (nb)

Denne fortellingen kommer fra African Storybook (africanstorybook.org) og er videreformidlet av Barnebøker for Norge (barneboker.no), som tilbyr barnebøker på mange språk som snakkes i Norge.

Dette verket er lisensiert under en Creative Commons
Navngivelse 3.0 Internasjonal Lisens.